<table>
<tr><td colspan="5"><u>उद्देश्य</u> - इस कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत (तबला) के प्रयोगत्मक पक्ष में दक्ष बनाना है।</td></tr>
<tr><td colspan="5">प्रथम सेमेस्टर</td></tr>
<tr><td>क्र0 सं0</td><td>कोर्स का नाम</td><td>कोर्स कोड</td><td>अंक</td><td>श्रेयांक</td></tr>
<tr><td>5</td><td>प्रयोगात्मक - 1</td><td>एम0पी0ए0एम0टी0-503</td><td>200</td><td>4</td></tr>
<tr><td rowspan="4">प्रथम खण्ड</td><td colspan="2">मंच प्रदर्शन - 20 मिनट का (निम्न तालों में से किसी एक में)</td><td rowspan="4"></td><td rowspan="4"></td></tr>
<tr><td colspan="2">इकाई 1 - तीनताल</td></tr>
<tr><td colspan="2">इकाई 2 - आडाचार ताल</td></tr>
<tr><td colspan="2">• मंच प्रदर्शन जिस ताल में हो उसमें निम्न चीजे होना आवश्यक है -- उठान, 1 पेशकार (3 पलटों सहित), 2 कायदे (1 सादा व 1 तिस्त्र जाति का 3-3 पलटों सहित), 1 रेला, परन, गत, चक्करदार, टुकड़ा व तिहाई।</td></tr>
<tr><td colspan="5">प्रथम सेमेस्टर
विस्तृत ताल – तीनताल, आड़ाचारताल व धमार ताल   अविस्तृत ताल - चारताल, गजझम्पा, गणेश ताल व कहरवा ताल</td></tr>
<tr><td colspan="2">सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री -
1.वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0।
2. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव, ताल परिचय (सभी भाग),संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव, ताल प्रभाकर प्रश्नोत्तरी, संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. श्री मघुकर गणेश गोडबोले,तबला शास्त्र, अशोक प्रकाशन मंदिर, इलाहाबाद।</td><td colspan="3">5. डॉ0 आबान ई0 मिस्त्री, तबले की बन्दिशे, संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. डॉ0 अरूण कुमार सेन, भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल।</td></tr>
</table>